मुकुल फाऊंडेशन ने की तनुजा की मदद

संवाददाता

पुणे. भारत में ऐसे काफी है जो या तो शिक्षा से वंचित है या उन्हें प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के लिए अवसर, आधार नहीं मिलता. ऐसा ही एक मामला रत्नागिरी के पावस में नले वाथर गांव की तनुजा दत्ताराम मोर्ये का है. उसके माता-पिता दिहाडी मजदूर है. पावस स्थित स्वामी स्वरुपानंद विद्यामंदिर से जब तनुजा ने 100% स्कोर के साथ एसएससी परीक्षा पास की थी और उसे उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए आर्थिक मदद की जरूरत थी, तब भारत के सबसे बड़े पीवीसी पाइप और फिटिंग उत्पादक फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज़ और उनके सीएसआर पार्टनर मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ) अपने लक्ष्यों को पूरा करने हेतु उसे मदद करने के लिए आगे आए. कंपनी ने तनुजा दत्ताराम मोर्ये की उच्च शिक्षा के लिए 1,17,500 रुपये दिए.

■ मुकुल माधव फाउंडेशन ने बच्चों को उनकी शिक्षा पूरी करने और उनकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मौद्रिक सहायता की है. हाल ही में सफलता की कहानियों में से एक है रत्नागिरी के विश्वास शिंदे की जिसे सुनने की शक्ति की समस्या थी और जिसने 7.7 सीजीपीए हासिल कर फिनोलेक्स एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (एफएएमटी) से मेडिकल इंजीनियरिंग में अपना बीई पूरा किया है. आनंद गायकवाड़ और वैभव पवार, जो अब बीजे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कर रहे हैं या अमोल झगड़े, जो एमए की पहली परीक्षा दे रहे हैं, ये कुछ अन्य छात्र है.

तनुजा ने माना आभार

■ इस विषय में मुकुल माधव फाउंडेशन की प्रबंध विश्वस्त रितु छाब्रिया ने कहा, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पानी जीवन की मूल बातें है और प्रत्येक व्यक्ति का उन पर अधिकार है. इन बुनियादी सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए लोगों को मदद और सहारा देने के लिए एमएमएफ में हम लोगों तक पहुंचने का प्रयास करते है. विशेष रूप से शिक्षा हमारे काम का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है.

■ फाउंडेशन का धन्यवाद करते हुए तनुजा दत्ताराम मोर्ये ने कहा, अपने सपने के करीब आने का अवसर देने के लिए फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और मुकुल माधव फाउंडेशन के प्रबंधन के प्रति मैं आभारी हूं. इस मदद के कारण मुझे अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने में और अपने सपने की ओर एक कदम आगे बढ़ने में मदद मिलेगी. आधार प्रदान करने के लिए अपने माता-पिता और शिक्षकों को भी मैं धन्यवाद देना चाहूंगा.